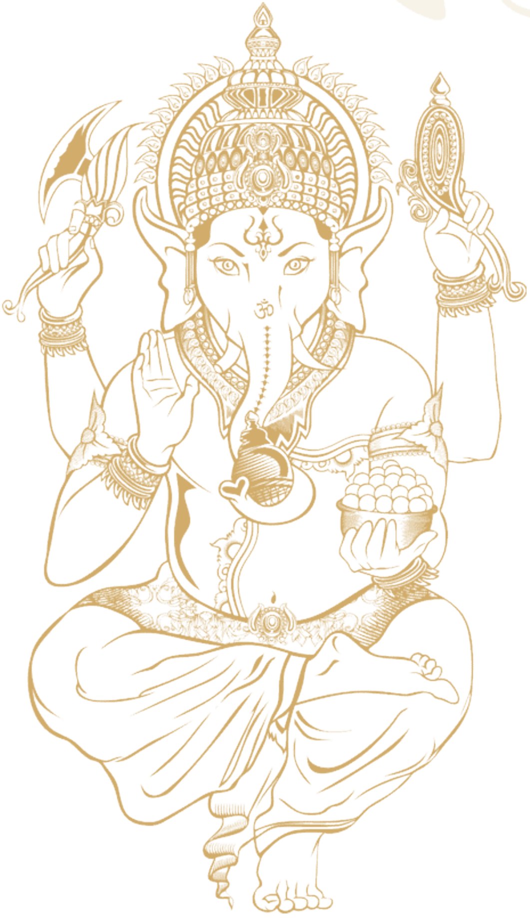

Himanshu

09 Dec 2000

02:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121658702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/12/2000**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	17:23:14 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:07:34 घंटे
साम्पातिक काल	18:52:26 घंटे
सूर्योदय	07:02:42 घंटे
सूर्यास्त	17:24:32 घंटे
दिनमान	10:21:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	23:42:38 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:40:16 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:40:16	500:25:25	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			वृश्चिक	23:42:38	01:00:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मेष	26:23:40	14:10:37	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			कन्या	27:37:47	00:36:03	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चिक	14:39:09	01:33:09	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु	व		वृष	10:46:31	00:07:46	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	07:17:17	01:10:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	02:04:04	00:04:21	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	21:52:58	00:04:16	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	21:52:58	00:04:16	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:49:35	00:02:07	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	10:44:15	00:01:41	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चिक	19:03:18	00:02:19	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			धनु	18:11:28	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:55

लग्न-चलित

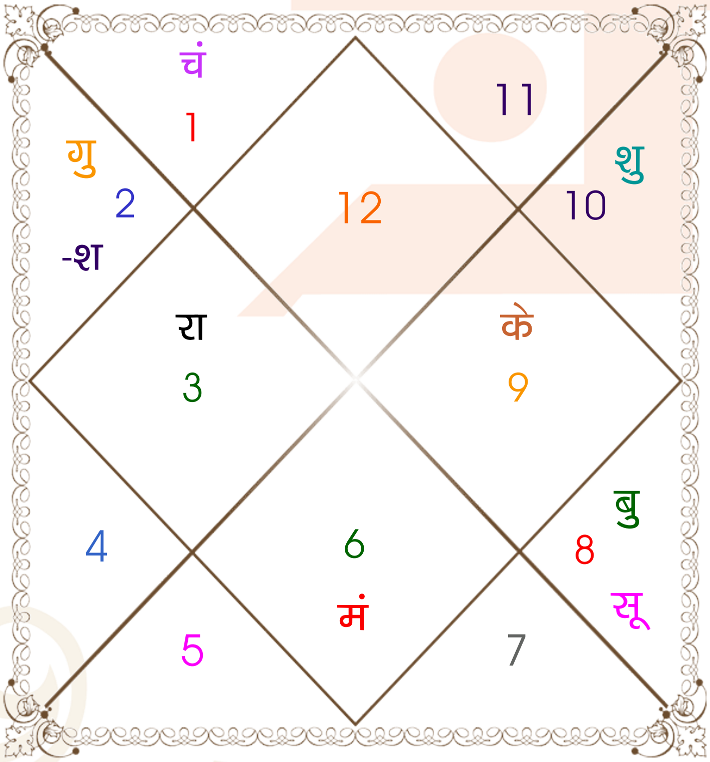

चन्द्र कुंडली

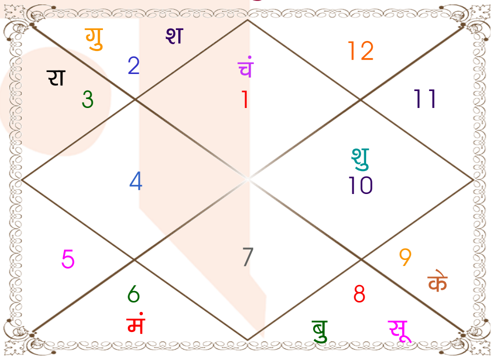

नवमांश कुंडली

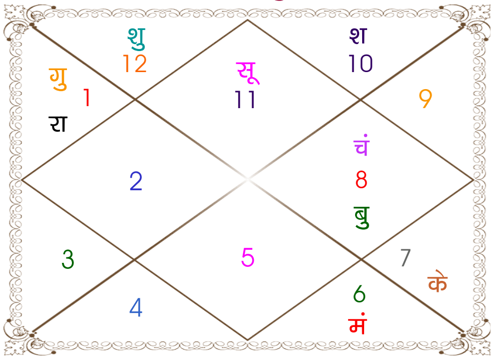

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 4 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
09/12/2000	07/05/2001	08/05/2007	07/05/2017	07/05/2024
07/05/2001	08/05/2007	07/05/2017	07/05/2024	07/05/2042
00/00/0000	सूर्य 25/08/2001	चंद्र 07/03/2008	मंगल 03/10/2017	राहु 18/01/2027
00/00/0000	चंद्र 23/02/2002	मंगल 06/10/2008	राहु 22/10/2018	गुरु 13/06/2029
00/00/0000	मंगल 01/07/2002	राहु 07/04/2010	गुरु 28/09/2019	शनि 19/04/2032
00/00/0000	राहु 26/05/2003	गुरु 07/08/2011	शनि 06/11/2020	बुध 06/11/2034
00/00/0000	गुरु 13/03/2004	शनि 07/03/2013	बुध 03/11/2021	केतु 25/11/2035
00/00/0000	शनि 23/02/2005	बुध 07/08/2014	केतु 01/04/2022	शुक्र 24/11/2038
00/00/0000	बुध 31/12/2005	केतु 08/03/2015	शुक्र 01/06/2023	सूर्य 19/10/2039
09/12/2000	केतु 07/05/2006	शुक्र 06/11/2016	सूर्य 07/10/2023	चंद्र 19/04/2041
केतु 07/05/2001	शुक्र 08/05/2007	सूर्य 07/05/2017	चंद्र 07/05/2024	मंगल 07/05/2042

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
07/05/2042	07/05/2058	07/05/2077	07/05/2094	08/05/2101
07/05/2058	07/05/2077	07/05/2094	08/05/2101	10/12/2120
गुरु 25/06/2044	शनि 10/05/2061	बुध 04/10/2079	केतु 04/10/2094	शुक्र 07/09/2104
शनि 06/01/2047	बुध 18/01/2064	केतु 30/09/2080	शुक्र 04/12/2095	सूर्य 07/09/2105
बुध 13/04/2049	केतु 26/02/2065	शुक्र 01/08/2083	सूर्य 10/04/2096	चंद्र 09/05/2107
केतु 20/03/2050	शुक्र 28/04/2068	सूर्य 06/06/2084	चंद्र 09/11/2096	मंगल 08/07/2108
शुक्र 18/11/2052	सूर्य 10/04/2069	चंद्र 06/11/2085	मंगल 07/04/2097	राहु 09/07/2111
सूर्य 06/09/2053	चंद्र 09/11/2070	मंगल 03/11/2086	राहु 25/04/2098	गुरु 09/03/2114
चंद्र 06/01/2055	मंगल 19/12/2071	राहु 22/05/2089	गुरु 01/04/2099	शनि 08/05/2117
मंगल 13/12/2055	राहु 25/10/2074	गुरु 28/08/2091	शनि 11/05/2100	बुध 08/03/2120
राहु 07/05/2058	गुरु 07/05/2077	शनि 07/05/2094	बुध 08/05/2101	केतु 10/12/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com